पहचान परेड

लैंगिक अपराध से पीड़ित बालकों के लिए न्याय पाने के दौरान यह बातें जान लें

पहचान परेड

पहचान परेड तब होता है जब आरोपी सहित अन्य व्यक्तियों का एक समूह कतार में खड़ा किया जाता हैं या अनुक्रम से कतार में खड़ा किया जाता हैं। उसके बाद बालक को आरोपी को इस समूह के भीतर से पहचानने के लिए कहा जाता है। यह प्रक्रिया 5 सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में होता है, जो गवाहों के रूप में हस्ताक्षर करते हैं (पंचनामा)

प्रक्रिया के लिए लिया गया समयः

परेड स्थान तक पहुँचने के लिए की गयी यात्रा और प्रतीक्षा अवधि की गिनती न करते हुए इस प्रक्रिया मे २ से ५ घंटे लग सकते हैं।

यह किस चरण में होता है?

प्रारंभिक शिकायत के दर्ज होने के ३०से ६० दिनों के बाद पहचान परेड किसी भी समय हो सकती है।

क्या यह अनिवार्य है?

पहचान परेड होगा या नहीं इसका निर्णय पुलिस करती हैं। एक सकारात्मक पहचान परेड आरोपी पर मुकदमा चलाने में काफी मदद कर सकती है।

आरोपी की पहचान की पुष्टि करने के लिए पुलिस पहचान परेड कर सकती है।

ऐसे मामलों में यह किया जाता है जहां आरोपी एक ऐसा व्यक्ति है जिसे बालक अन्यथा जनता नहीं हैं।

यह सब चीजें अपने साथ रखेः

बालक के लिए खाना और पानी।

अगर बालक को इंतजार करना पड़ता है तो रंग भरने वाली किताबें,बच्चों की किताबें, कुछ खिलौने और वीडियो गेम की मदद से वह बेचैन नहीं होते।

यदि आप बालक के माता-पिता हैं, तो एक मान्य पहचान प्रमाण।

यदि आप बालक की सहायता करने वाले भरोसेमंद व्यक्ति हैं या सपोर्ट पर्सन हैं, तो वैध पहचान प्रमाण के साथ आपको सपोर्ट पर्सन के रूप में नियुक्ति के लिए सी.डब्ल्यू.सी द्वारा जारी आदेश रखें।

पहचान परेड कहाँ होती है?

पहचान परेड जेल में हो सकती है या कुछ मामलों में, बालक के अनुकूल स्थान पर अस्पताल में आयोजित की जाती है।

यदि आपको लगता है कि जेल का माहौल बालक के लिए दर्दनाक है या उचित नहीं है, तो आपको सरकारी अस्पताल या किसी भी अन्य व्यावहारिक व्यवस्था में परेड को आयोजित करने के लिए पुलिस से अनुरोध करना चाहिए। **पहचान परेड** वहां करवाए जहां बालक आरामदायक है।

पहचान परेड के बारे में बालक से कैसे बात करें?

बालक को बताएं कि **पहचान परेड** के दौरान वह आरोपी को देख रहे होंगे। उन्हें यह भी बताएं कि पुलिस पूरी तरह उनके साथ होगी और उनकी सुरक्षितता सुनिश्चित करेगी।

उन्हें प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताए ताकि बालकों को पता चले की परेड के दौरान क्या उम्मीद की जा सकती है।

उन्हें बताएं कि पुलिस उनको एक सुरक्षित कमरे में ले जाएगी जहां ६ से ८ पुरुष के तीन या अधिक समूहों को उनके सामने लाया जाएगा। और बालक को स्पष्ट रूप से आरोपी को इंगित करने के लिए कहा जाएगा।

उन्हें बताएं कि यह परेड पुलिस को आरोपी को पकड़ने में मदद करता है। बालक को बताएं कि हो सकता है की आपको उनके साथ अंदर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। इस धारणा की पुनः पुष्टि करें कि बालक सुरक्षित होगा।

सुनें कि बालक को क्या कहना है और सकारात्मक और उचित रूप से जवाब दें।

परेड से पहलेः

यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के साथ समन्वय करें कि बालक और आरोपी के बीच कोई अनावश्यक सामना (इंटरफेस) नहीं हो ।

परेड के दौरानः

यदि बालक बेहद छोटा है तो पुलिस से अनुमति लीजिए की आप और बालक के साथ रहने वाले विश्वसनीय वयस्क **परेड के दौरान** उसके साथ मौजूद हो।

यदि उपरोक्त अनुमति दी गई है, तो **परेड के दौरान** आपको या भरोसेमंद वयस्क को बालक को प्रेरित नही करना चाहिए।

यदि बालक परेड का सामना करने में तनाव महसूस कर रहा है,तो पुलिस को बाद की तारीख और/या स्थल में बदलाव के लिए कहें।

परेड के बादः

सुनिश्चित करें कि बालक और आरोपी के बीच सामना (इंटरफेस) ज़रूरत से ज़्यादा देर तक न हो।

बालक को पार्क या कहीं और ले जाये जहां वहआराम कर सके और अपने दिमाग को केस से दूर रख सके।

बालक को खुलकर बोलने और प्रक्रिया को अनुभव करने की अनुमति दें। धीरज से सुनें और नरमी से और उचित रूप से प्रतिक्रिया दें।

यदि आवश्यक होएक पेशेवर परामर्शदाता (काउनसेलर) के साथ सत्र की व्यवस्था करें ।